चेतावनी:अविवाहित भारतीय पुरूषों के लिए

भारत में विवाह करने की इच्छा रखने वाले पुरुषों को पढ़ना आवश्यक।

आपकी होने वाली पत्नी आप और आपके मासूम परिवार पर जो कानूनी तबाही ढाह सकती है, उससे सावधान ।

उस स्त्री और उसके परिवार वालों से अपने आपको व अपने परिवार को बचायें जो आपको सालों की जेल, परेशानी, ब्लेकमेल और गंभीर इल्ज़ामों में फंसा सकती है।

Last updated: Jan 1,2013

पुस्तक को लिखने का उद्देश्य-

जब से हम सब झूठे इल्जाम और स्त्री प्रधान कानूनों को झेलने के लिए मजबूर हुए हैं तब से यह महसूस कर रहे हैं कि काश कोई होता जो हमे विवाह से पूर्व इस प्रकार के कानूनी आतंकवाद से सचेत कर देता। यही एकमात्र उद्देश्य है जिसके अंतर्गत अविवाहित युवकों के लिए क्रैश कोर्स बनाया गया है ताकि उन्हें समय रहते सचेत किया जा सके। हम चाहते हैं की विवाह जैसी संस्था में प्रवेश करने से पहले हर अविवाहित युवक कम से कम तीन बार इस पुस्तक को अवश्य पढ़े।

हम यह आश्वासन देते हैं की यह पुस्तक आपको और आपके परिवार को न केवल बेकार की मुसीबतों से बचाएगी, जो की एक पत्नी ला सकती है, बल्कि कुछ ऐसे कानूनी दांव पेचो से भी अवगत करा देगी जिन्हें जानना हर विवाहित पुरुष के लिए आवश्यक है।

1) परिचय 4

2) हम कौन हैं? 5

3) विवाह सम्बन्धी तत्कालीन कानून 6

4) खतरे के चिन्ह अत्याचारपूर्ण व्यक्तित्व और भावी 498ए स्त्री/उसके परिवार के 7

5) सावधानियाँ 9

5.1) प्रारंभिक सावधानियाँ 9
5.2) विवाह से पूर्व की सावधानियाँ 10
5.3) विवाह के समय की सावधानियाँ 11
5.4) विवाह के पश्चात की सावधानियाँ 12

6) विविध 13

7) अक्सर पूँछे जाने वाले सवाल 14

8) पीड़ित पूरूषों के लिए हेल्प लाईन और वेबसाईट 18

9) मै क्या कर सकता हूँ ? 19

10) परिशिष्ट 20

10.1) आई पी सी 498ए 20
10.2) दहेज प्रतिषेद अधिनियम 21
10.3) आई पी सी 406 21
10.3a) स्त्री धन 21
10.4) डी वी (घरेलू हिंसा) अधिनियम 22
10.5) पत्नी के भरण-पोषण हेतु-सी आर पी सी 125, एच एम ए 24, सेक्शन 22 DV 23
10.6) अलिमनी 23
10.7) व्यभिचार 23
10.8) बच्चे की देखभाल और मुलाकात 24
10.9) आगामी लिंग पक्षपातपूर्ण कानून 24
10.9a) पत्नी को वेतन 24
10.9b) आई आर बी एम् (शादी अप्रतिकार टूटना) 24

1) परिचय

प्रिय अविवाहित पुरुष,

तो आप विवाह के बारे में सोच रहे हैं? बधाई हो! लेकिन इससे पहले कि आप इस नयी अद्भुत यात्रा की शुरूआत करें कृपया कुछ ऐसे भारतीय विवाह कानून जान लें जो आसानी से आपके और आपके परिवार के जीवन, प्रतिष्ठा, इज्ज़त, चैन और संपत्ति को नष्ट कर सकते हैं, अगर आपने गलत लड़की से विवाह किया। उस स्त्री और उसके परिवार वालों से अपने आपको व अपने परिवार को बचायें जो आपको सालों की जेल, परेशानी, ब्लेकमेल और गंभीर इल्ज़ामों में फंसा सकती है।

आपको यह जानकार आश्चर्य होगा कि सिर्फ किया सन 2011 में लगभग 1,39,403 पुरुष (पति / ससुर / देवर/ जेठ / अन्य ससुराल पक्ष वाले पुरुष) और 41,298 स्त्रियाँ (सास / ननद / अन्य ससुराल पक्ष वाली स्त्रियाँ) इन कानूनों के शिकार बनें। दुर्भाग्यपूर्ण है कि 2011 में 62,433 भारतीय पतियों ने आत्महत्या की (यानि कि हर 9 मिनट में एक आत्महत्या) और उसका कारण था वह कानूनी और सामाजिक प्रताड़नायें जो उन्हें उनकी पत्नियों व उसके घरवालों की वजह से सहनी पड़ी। प्रतिवर्ष हजारों इस प्रकार के झूठे 498ए मामले दर्ज होने की वजह से यह एक सामाजिक टाइम बम की तरह है। कृपया ध्यान दें कि ये कानून आप पर तभी लागू होते हैं यदि आप किसी भारतीय लड़की से भारत में शादी करते हैं, क्योंकि विश्व में कोई और ऐसा देश नहीं है जहाँ ऐसे एक तरफा और मूर्खता से भरे लिंग पक्षपात पूर्ण कानून हों। हमारे देश में लागू किए गए सभी कानून पत्नी पक्ष का समर्थन करते हैं।

आप शायद सोच रहे होंगे कि आपके साथ ऐसा कभी नहीं हो सकता है। आशा करते हैं ऐसा ही हो। परन्तु स्वयं पर और अपने परिवार पर कृपा करें और पढ़ना जारी रखें क्योंकि यहाँ दी गई जानकारी आपके लिए संजीवनी का काम कर सकती है। यहाँ हमारी चेष्टा आपको डराने की बिलकुल नहीं है। हम केवल उस दुर्दशा से आपकी रक्षा करना चाहते हैं जो लाखो भारतीय पुरुषों की नियति है जो जाकर अवहेलना, कारावास या आत्महत्या पर खत्म होती है, उनकी पत्नियों और उनकें परिवार वालों की वजह से।

2) हम कौन हैं?

"हम वह लोग हैं जिन्हें चोट पहुंची है, और अब हम आपको बचाना चाहते हैं"।

हम वह स्वैच्छिक कार्यकर्ता हैं जिन्होंने अब तक हजारों निर्दोष पतियों और उनके परिवारो को जेल जाने से बचाया, अगर उन्होंने हमें समय पर आवाज़ दी। हम लोग **मुफ्त मदद करते हैं** और हमारे सदस्य साप्ताहिक रूप से अपने-अपने शहरों में एक तरफा और मूर्खता से भरे लिंग पक्षपात पूर्ण कानून में फंसे हुए पुरूषों को बचाने का प्रयास करते हैं। हमारी ये बैठकें देश और विदेश में हुआ करती हैं। हम ऐसे पीड़ित पुरूषों को मार्ग दर्शन देते हैं जिससे वे अपने कानूनी लड़ाई सक्षम रूप से लड़ सके और विपक्ष को गहरी से गहरी मात दें। हम **आप जैसे** पुरूषों को गलत लड़की से विवाह करने से भी आगाह करते हैं और मिलकर आने वाले संभव लिंग पक्षपात कानूनों के खिलाफ आवाज उठाते हैं।

हमारी औसतन उम्र 30 वर्ष है। हम पढ़े लिखे इंजीनियर, वैज्ञानिक, डाक्टर और एम.बी.ऐ हैं जिन्होंने अच्छे भारतीय और विदेशी संस्थानों से पढ़ाई की है। स्त्री और उनके परिवारों द्वारा बुने गये जाल में फंसने से पहले हम सभी अपने-अपने व्यवसायों में आसमान छू रहे थे। हम में से कुछ या तो ऐसे मामले झेल रहे हैं या झेल चुके हैं या झेलने के कगार पर खड़े हैं जिनका दुरुपयोग आज की भारतीय पत्नियाँ कर रही हैं। कई सदस्य और उनके परिवार वाले निर्दोष होते हुए भी जेल जा चुके हैं। जब हम इन अमानवीय कानूनों से पीड़ित थे, हमें यह आभास हुआ कि सही समय पर सही जानकारी का क्या महत्व है, जो हम इस पुस्तिका के द्वारा (प्रचार और प्रसार) का प्रयास कर रहे हैं। कृपया कर इस पुस्तिका को उस पुरूष तक पहुँचाने का कष्ट ज़रूर करें जो कि अपनी पत्नी और ससुराल द्वारा प्रताड़ित किया जा रहा हो।

3) विवाह सम्बन्धी तत्कालीन कानून

वर्तमान भारतीय वैवाहिक कानून बहुत पुरूष विरोधी हैं। दर्जन से भी ज़्यादा पुरूष विरोधी अमानवीय और असंवैधानिक लिंग पक्षपात पूर्ण कानून लागू हैं और ऐसे कई और कानून जन्म लेने वाले हैं (अधिक जानकारी के लिए परिशिष्ट देखें)। यह कानून विवाह प्रणाली को नष्ट करने पर तुले हैं और तलाक की दर को बढ़ा रहे हैं। अगर एक बार आप इनमें फंस गये तो इस नारीवादी वकीलों-न्यायाधीशों-सरकार की गठजोड़ से निकलना असंभव साबित होगा। अपने आपको निर्दोष साबित करने में आपको कम से कम 5 से 10 वर्ष लग जायेंगे।

कृपया ध्यान दें: *ऐसे कानूनों के दुरुपयोगों के बारे में फैलती हुई जागरूकता से ज़्यादा से ज़्यादा पुरूष अब ऐसी लड़कियों या उनके परिवारों में शादी करने से इंकार कर रहे हैं जिन्होंने कभी भी झूठे 498ए केस किसी भी पुरूष पर लगाये हों। हमने ऐसा भी पाया है कि एक बार ये पत्नियाँ अपने पतियों और अपने ससुराल वालों पर जब झूठे मुकदमें डालती हैं तब उनका जीवन हमेशा के लिए बर्बाद हो जाता हैं। आम तौर पर ऐसी* ***498ए स्त्रियों को अपना अगला शिकार आसानी से नहीं मिलता*** *जब उन पर यह 498ए का ठप्पा लग जाता है। जब यह स्त्रियाँ भी इस सच्चाई से वाकिफ होंतीं हैं कि उन्हें आने वाली सारी जिन्दगी अकेले ही गुज़ारनी होगी, तब वह झूठे मामलों को अदालत में ज़्यादा से ज़्यादा खींचने की कोशिश करती हैं और पति से ज़्यादा से ज़्यादा पैसे ऐंठने की कोशिश करती हैं। यदि आप ऐसी किसी स्त्री के अगले शिकार (पति) होने जा रहे हैं तो कृपया सावधान हों जाएँ। यह एक जानी पहचानी सच्चाई है कि ये 498ए महिलाएं एक* जोंक *(लीच) के समान है जो अन्ततः हर उस पुरूष का खून चूसेंगी जिसने उन्हें पोषण दिया, प्रेम दिया और उनका ख्याल रखा। यह आवश्यक है कि आप उन कानूनों के बारें में जाने जो पत्नियाँ अपने पतियों के खिलाफ गलत रूप से इस्तेमाल कर रही हैं। इन कानूनों के बारे में विस्तार से दस्तावेज के अंत में परिशिष्ट में चर्चा की गयी है।*

4) खतरे के चिन्ह अत्याचारपूर्ण व्यक्तित्व और भावी 498ए स्त्री/उसके परिवार के

अगर आपकी प्रेमिका/मंगेत्तर या उसके परिवार वाले नीचे बताये कुछ लक्षण दिखा रहें हैं तो यकीन मानिये आप शिकार बनने जा रहें हैं:-

1. **उसका परिवार**: अभी हाल ही में ही धनी हुए हैं और उन्हें रिश्तेदारों में पैसा प्रदर्शित करने की बीमारी है। जैसे घर, कार, पेन्टिग्स, ऊँची पहुँच इत्यादि। ऐसे परिवार आम तौर पर वकीलों, राजनेताओं, न्यायाधीशों और पुलिस अधिकारियों के परिजन होते हैं। ऐसे परिवार अपनी आमदनी से ज़्यादा खर्च करने में विश्वास करते हैं। इतिहास में इन परिवारों ने किसी न किसी कारण से कोई न कोई मुकदमा दर्ज किया होता है (उनके शहर के न्यायालय की वेबसाईट पर उनका नाम अवश्य खोंजें)। ये अपने कर्मचारियों को मारने और पीटने से भी नहीं चूकते। इन परिवार की स्त्रियों के संबंध एक से ज़्यादा पुरूषों के साथ रहे होते हैं।
2. **अनावश्यक दबाव:** वह भरपूर दबाव देकर आपसे कहती है कि "मैंने कभी किसी से इतना प्यार नहीं किया"! ऐसी स्त्री या उसके परिवार वाले आप पर जल्द से जल्द विवाह के लिए दबाव डालेंगे और वह भी तुरन्त।
3. **ईर्ष्यालु/ शक्की:** ऐसी लड़की आवश्यकता से अधिक शक्की होती है। लगातार आपको फोन करती रहती है/ बिना सूचना दिए कार्यस्थल पर आ धमकती है/ आपके कपडे में किसी के इत्र की खुशबू सूंघने की कोशिश करती है/ आपके कमीज़ के कॉलर पर लिपिस्टिक के निशान ढूँढती है और आपकी जेब को आपके पीठ पीछे टटोलती है।
4. **नियंत्रक:** आपसे पूछताछ करती रहती है कि आप कहाँ थे/ किससे बात कर रहे थे (विशेषकर यदि आप देर से आयें)। वह आपकी संपत्ति अपने नाम पर करवाना चाहती है, आपकी पूँजी को नियंत्रण में रखना चाहती है। आपके फोन या लैपटॉप में सुराग ढूँढती रहती है।
5. **अवास्तविक आकांक्षी:** ऐसी स्त्रियाँ आपसे उम्मीद करेंगीं कि आप उसकी और उसके परिवार वालों की हर ज़रूरत को पूरा करें, चाहे वह कितनी ही अवास्तविक क्यों न हो।
6. **फूट डालो और राज्य करो:** ऐसी स्त्रियाँ आपको, आपके दोस्तों और परिवारजनों से काटने का प्रयत्न करेंगीं, आपके शुभचिन्तकों पर झूठे और गलत आरोप लगायेंगीं जिससे आप उनसे दूर हो जाये।
7. **मै और सिर्फ मै:** ऐसी स्त्रियाँ सिर्फ यह चाहती हैं कि उन्हें और सिर्फ उन्हें ध्यान दिया जाये। वो आपको कभी भी किसी से सामाजिक तौर पर मिलने नहीं देंगी। विशेषकर यदि बात किसी लड़की की आती है, चाहे वह आपकी चचेरी या मौसेरी बहन ही हो।
8. **दोषारोपण:** यदि उसके जीवन में कुछ ख़राब हुआ है तो यह किसी और की गलती की वजह से हुआ है। ऐसी स्त्रियों के अनुसार जब भी उनके जीवन में परेशानी आई, हमेशा किसी दूसरे व्यक्ति की गल्ती की वजह से ही आई होती है चाहे वह उनका बॉस हो, कर्मचारी हो, पूर्व प्रेमी हो या पूर्व पति हो।

9. **अपने भावनाओं के लिए भी दूसरों को दोषी बनाना:** वह हमेशा कहेंगी "आप मुझे हमेशा गुस्सा दिलाते हैं" या "आप मुझे दुख पहुँचा रहे हैं मेरा कहना ना मान कर" आप ऐसी स्त्री से कभी नहीं सुन पायेंगे कि "आप की वजह से मुझे खुशी मिली"।
10. **अत्यधिक संवेदनशील:** ऐसी स्त्रियाँ बहुत जल्दी अपने आपको अपमानित महसूस करतीं हैं, गुस्से में बिल्कुल पागल हो जातीं हैं। दूसरों के सही होते हुए भी उन्हें गलत बताएगीं।
11. **असंतुलित सामाजिक भूमिकायें:** ऐसी स्त्रियाँ आपसे उम्मीद करेंगीं कि आप उसके व उसके परिवार वालों की सभी आशायें पूरी करें लेकिन वह खुद कभी कोई सामाजिक आशा एक स्त्री होने के नाते पूरी नहीं करेगी।
12. **भावुक उतार चड़ाव:** ऐसी स्त्रियाँ कुछ ही पलों में मीठे से बहुत हिंसक रूप लें सकती हैं। ऐसी स्त्री के साथ रहने में आप 24 घंटे एक घबराहट महसूस करेंगे।
13. **डराना:** ऐसी स्त्रियाँ आपको अक्सर कहेंगी "मेरे माता-पिता मुझे हमेशा समर्थन देंगे चाहे मै किसी का खून ही क्यों न कर दूँ" या "एक स्त्री हमेशा सही होती हैं और हर व्यक्ति को स्त्री का ही समर्थन करना चाहिए"। आपको यह भी सुनने को मिल सकता है "मै तुम्हें एक मछली की तरह काट दूंगी जैसे एक मछुआरा काटता है" और बाद में अपने ही इस बर्ताव के बारे में कहेगी "अरे भई सभी इस तरह बात करते हैं" या कहेगी "मेरे कहने का वो मतलब नहीं था"। यदि बात यहाँ तक आ पहुँची है और यह स्त्री आपसे इस तरह से बात करती है तो सच मानिये समय आ गया है कि आप इस जाल से बाहर आ जायें इससे पहले कि बहुत देर हो जाये।

5) सावधानियाँ

यधपि ऐसा कोई निश्चित तरीका नहीं है जिससे आप स्वयं को इन लिंग पक्षपातपूर्ण कानूनों के झूठे मामलों से बचा सके। अत: हमने कुछ व्यवहारिक सुझाव आपके लिए तैयार किये हैं जिससे आप अपने आपको बचाने की कोशिश कर सकें। हम आपसे यह कद्यापी नहीं कह रहे हैं कि आप विवाह न करें। यदि कोई लड़की जिससे आप विवाह करने जा रहे हैं ऐसी जान पड़ती है जैसे कि हमने पिछले भाग में बताया तो कृपया आगे न बढ़ें वरना बहुत अनर्थ हो सकता है। अपने आपको और अपने परिवार को बचायें। लाखों-करोड़ों अच्छी लड़कियाँ व अच्छे परिवार भारत वर्ष में हैं। अपने जीवन साथी की खोज जारी रखें, हमें पूर्ण विश्वास है कि आपको एक अच्छा जीवन साथी अवश्य मिलेगा।

5.1) प्रारंभिक सावधानियाँ

- ऐसे परिवार में कतई विवाह न करे जिसमें लड़की, या उसकी किसी बहन ने 489ए मुकदमा अपने पति पर दर्ज किया हो। हम लोगों का तजुर्बा यह बताता है कि जिन परिवारों ने पहले कभी इन कानूनों का दुरूप्योग किया है वो भविष्य में भी ऐसा करते हैं। हम ज़ोर देना चाहेंगे कि आप कृपया ऐसी स्त्रियों और उनके परिवारों का बहिष्कार करें जिन्होंने झूठे 498ए मामले दर्ज किये हो।
- विवाह से पूर्व उस लड़की और उसके परिवार की पृष्ट भूमि की जॉच अवश्य करें कि उनके ऊपर कोई आपराधिक इतिहास, अदालती मामला, अवैध व्यवसाय तो नहीं है; खासकर अगर लड़की किसी अन्य शहर से है। इसके लिए अगर ज़रूरत पड़े तो एक जासूस का इस्तेमाल करें। सुनने में यह एक अपव्यय लग सकता है लेकिन यह कदम आपको और आपके परिवार को भविष्य में बड़ी मुसीबतों से बचा सकता है।
- यदि इस स्त्री का यह दूसरा विवाह है तो और भी ज़्यादा सावधान होने की आवश्यकता है। अक्सर इन स्त्रीयों ने अपने पहले पतियों को इन कानूनों की आड़ में प्रताड़ित किया होता है और उनसे लाखों-करोड़ों रूपये हासिल किये होतें हैं। उसके तलाक के कागज़ ज़रूर जॉचें, सूचना का अधिकार अधिनियम (RTI) का इस्तेमाल कर उसके ईलाके के पुलिस थाने और अदालत से जानकारी निकलवायें। तलाक के कागज़ों के अलावा समझौता ज्ञापन (MoU) को भी देखना न भूलें।
- यह जॉच करने की भी कोशिश करें कि क्या उसके परिवार में जल्दी तलाक देने का प्रचलन है। यदि ऐसा है तो हो सकता है कि आप भी उस लंबी कड़ी का एक हिस्सा होने जा रहे हों जिसमें पुरूषों से लाखो रूपये अर्जित किय गये हों।
- यदि आप ज्योतिष शास्त्र में विश्वास रखते हैं तो किसी विशेषज्ञ से गुण मिलान ही नही पूरी कुन्डली मिलवा लें।

5.2) विवाह से पूर्व की सावधानियॉ

- अनुभाग चार में बताये गये लक्ष्णों को ध्यान से पढ़ें और ऐसे परिवार और इन लड़कियों से सावधान रहें।
- यदि ऐसी लड़कियॉ या उनके परिवार अपनी आमदनी से परे जी रहे हैं, अपने डिज़ाइनर जूते,कपड़े, कार आदि दिखा रहे हैं तो सावधान हो जायें। जॉच करने की कोशिश करें कि क्या वह अमीर और प्रसिद्ध दिखने के नाटक में किसी भारी राशि के ऋण के नीचे तो नहीं हैं।
- अक्सर 498ए परिवार राजनैतिक जान-पहचान रखते हैं और इनका इस्तेमाल कानूनों का दूरूप्योग करने में और पतियों से भारी पैसा ऐंठनें में करते हैं। अगर ऐसे परिवार इन राजनैतिक जान पहचानों के बारें में बढ़-चढ़ बात करते हैं तो सावधान हो जायें।
- सावधान हों अगर ऐसी लड़की या उसके परिवार वाले पुलिस, कोर्ट, कानून और मुकदमें बाज़ी के बारे में अक्सर और आसानी से बातचीत करते हैं।
- अक्सर ऐसी लड़कियों की माताएं अपने पतियों को दबा कर रखती हैं। ऐसी लड़कियों की बहनें भी अपने पतियों पर हावी रहती हैं। आपके लिए यह देखपाना मुश्किल नही होगा।
- शुरू-शुरू में ऐसी लड़की के माता-पिता बहुत धार्मिक, ईमानदार और मेहनती दिखेंगे लेकिन धीरे-धीरे आप यह देख पाएंगे कि वास्तव में आपस में बातचीत करते समय ये परिवार बदज़बानी से बातचीत करते हैं। यह सीधा-सीधा दर्शाता है कि जिस परिवार मे आप शादी करने जा रहे हैं वह कितना दोगुला है।
- ऐसी लड़की आपसे बात करते समय तो बहुत औपचारिक और विनम्र तरीके से बात करेंगी किन्तु अपने परिवारजनों या मित्रों से टेढ़े और अलग ही स्वर में बोलेंगी। यह अपने आप में एक चेतावनी का संकेत है।
- अक्सर ऐसी लड़कियॉ असुरक्षित महसूस करती हैं और आसानी से जलन की भावना पाल लेतीं हैं। यह देखपाना मुश्किल नहीं होगा। इसे जॉचने के लिए किसी अभिनेत्री की सुन्दरता या उसके अभिनय की प्रशंसा करें तो आपको भविष्य में आने वाले खतरों के कुछ चिन्ह देखने को मिल सकते हैं।
- अक्सर ऐसी लड़कियॉ मानसिक बिमारियों की शिकार होती हैं। उसकी दवाईयॉ और मेडिकल रिकार्डस की जॉच करने की कोशिश करे जिससे आप उसकी बिमारी का पता लगा सके। आम-तौर पर इन लड़कियों में बाई पोलर, बॉर्डर लाईन पर्सनेलिटि, डिप्रेशन, एनज़ाईटी और ओब्सेस्सिव-कम्पल्सिव रोग पाया जाता है।
- अक्सर ऐसी लड़कियॉ प्रतिहिंसक और इंतकामी होती हैं। आप कभी उससे पूछ सकते हैं कि उसने किसी भी व्यक्ति के साथ सबसे बुरा क्या किया है तब उसके उत्तर से यह आपको जानने को मिलेगा कि वह किस हद तक जा सकती है।

- ऐसी लड़कियॉ अक्सर विवाह से पहले बताती हैं कि जब भी वह कोई अन्याय देखती हैं उन्हें अचानक और भयानक गुस्सा आता है। शुरू-शुरू में आपको यह उचित और प्यारा लग सकता है लेकिन इसे एक चेतावनी के रूप में लें क्योंकि यदि शादी के बाद आप उसकी किसी इच्छा को पूरा नही कर पाये तो वो इसे अन्याय मान सकती है।
- अक्सर ऐसी लड़कियों को झूठ बोलने की कला में महारत हॉसिल होती है। ऐसी लड़कियों के आस-पास कई पुरूष मंडराते हैं जिन्हें वह अपनी मीठी-मीठी बातों से शोषित करती हैं। जॉच करने की कोशिश करें कि उसके कितने लड़के व लड़कियॉ मित्र हैं और उसके मित्र उसके बारे में क्या कहते हैं (विशेष रूप से अन्य लड़कियॉ क्या कहतीं हैं)।
- यदि विवाह से पहले लड़की अपने परिवारजनों के बारे में कभी बात नहीं करती या इस विषय को अक्सर पलट देती है तो इसे एक चेतावनी का संकेत समझें। यह संभव है कि इस परिवार का कोई ऐसा इतिहास है जिसे वह आपके समक्ष प्रकट नहीं करना चाहती।
- विवाह से पहले ऐसी लड़की आपको यह कह सकती है कि वह महत्वकांक्षी नहीं है और घरेलू बनकर आपका और आपके परिवार का ख्याल रखना चाहती है। किन्तु जैसे-जैसे विवाह की तारीख नजदीक आती है उसकी महत्वकांक्षायें एक अलग ही रूप लेती है। और तब आपसे यह उम्मीद की जायेगी कि आप उसकी इच्छायें, जैसे विदेश में पढ़ाई, एक उत्कृष्ट पैकेज वाली नौकरी इत्यादि दिलवायें। अपने आप में यह कोई गलत बात नहीं है लेकिन ऐसी लड़की से सावधान रहें जिसकी महत्वकांक्षायें आपके साथ बढ़ते हुए रिश्ते के हिसाब से बढ़ें।
- यदि लड़की आपसे अक्सर ऐसे प्रश्न करती है कि "यह घर किसका है" और "यह कार किसके नाम है" तो सावधान हो जायें, अपनी अन्तरात्मा की सुनें व उसकी उपेक्षा न करें क्योंकि यह आपकी रक्षा के लिए बनी है।
- यदि ऐसी लड़की का परिवार अचानक शहर बदल लेता है या अपना परिवारिक व्यापार विवाह से ठीक पहले बदल लेता है तो इसे एक चेतावनी का संकेत समझें।
- यदि विवाह से पहले, लड़की का परिवार आपसे व्यवसायिक अहसान, ऋण या उनकी योजनाओं में निवेश करने की मॉग करते हैं तो सावधान हो जायें।
- अक्सर ऐसी लड़कियॉ या उनके परिवार वाले आपकी वेतन पर्ची, संपत्ति के दस्तावेज़ देखना चाहेगें जिनका आपके विवाह से कोई संबंध नहीं है। ऐसे में खतरे की घंटियॉ आपके दिमाग में बजनी चाहिए। इन्हीं वेतन पर्चियों और संपत्ति दस्तावेज़ों का लडकियॉं और उनके परिवार वाले बाद में पैसा ऐंठनें में इस्तेमाल करेंगे।

5.3) विवाह के समय की सावधानियॉ

- यदि उसके माता-पिता एक भव्य विवाह समारोह पर ज़ोर देते हैं, जबकि आप सामान्य विवाह चाहे तो यह आपके लिए बुना हुआ एक जाल भी हो सकता है। कृपया अपने आपको तथा अपने परिवार को खतरे में न डालें।

- **विवाह के समय दिये गये अथवा लिये गये सभी उपहारों की सूची तैयार करें।** इस सूचि पर कानूनी तौर पर वर और वधु के हस्ताक्षर ज़रूरी हैं, दो गवाहों के साथ।
- ⚠ उसके माता-पिता विवाह के समय अजीबो गरीब व्यवहार कर सकते हैं। जैसे कि हर छोटी - छोटी चीज़, उपहारों का आदान प्रदान की वीडियो रिकार्डिंग तैयार करना। हो सकता है कि वह झूठे दहेज के मामले को दर्ज करने की तैयारी में लगे हों। आप अत्यन्त सावधान रहें यदि यह लड़की विवाह का दूसरा है।
- ⚠ यदि उसके माता-पिता उपहार या खर्चे चेक या ड्राफ्ट के द्वारा करते हैं तो इसे एक निश्चित संकेत समझे। इनका इस्तेमाल दहेज इस्तेमाल के झूठे मामले दर्ज करने में किया जायेगा।
- लड़के वाले अक्सर बड़े पैमाने पर विवाह के लिए खर्चा करते हैं लेकिन इन खर्चो का रिकार्ड नहीं रखते। कृपया सभी खर्चो का बिल हमेशा अपने पास रखें।
- सभी खरीदे गये सोने के और अन्य गहनों के VAT भुगतान वाले बिल हमेशा अपने पास रखें।

5.4) विवाह के पश्चात की सावधानियाँ

- ⛔ यदि संभव हो तो अपने नाम पर कोई संपत्ति न खरीदें जब तक कि आपको यह विश्वास न हो जाये कि आपने सही लड़की से विवाह किया है। इस बात को जानने के लिए कुछ वर्ष लग सकते हैं, लेकिन जीवन भर के दुख से कुछ वर्षो की सावधानी बेहतर है।
- ⛔ कम से कम पहले कुछ वर्षो तक अपने बैंक खाते और ई-मेल इत्यादि पासवर्ड का खुलासा अपनी पत्नी से न करें।
- अपने विवाह को कोर्ट में अवश्य पंजीकृत करा लें और शपथपत्र (एफिडेविट) में यह लिखवा लें कि किसी प्रकार का कोई दहेज, विवाह से पूर्व या विवाह के दौरान लड़की वालों से नहीं लिया गया है। इस शपथपत्र की सत्यापित प्रतिलिपि अपने पास अवश्य रखें, जो भविष्य में आपके बचाव में काम आएगी।
- आपके द्वारा कियें गये सारे खर्चो के रिकार्ड अपने पास अवश्य रखें जैसे कि हनीमून, कपड़े,घरेलू खर्च महंगे होटलों में खाना, मेडिकल बिल इत्यादि। यह सब रिकार्ड आपके काम आ सकते हैं क्योंकि पत्नियाँ अक्सर ऐसे इल्ज़ाम लगाती हैं कि उन्हें अपने वैवाहिक घर में इन सभी वस्तुओं से वंचित रखा गया है।
- उन सभी तस्वीरों और वीडियो फिल्मों को नियमित रूप से संभाल कर रखें जिसमें आप दोनों ने अच्छा समय व्यतीत किये है जैसे फिल्में देखना, सामूहिकरण और पत्नी के साथ यात्रा। यह सभी सबूत आपके काम आयेंगे यदि वह आपके खिलाफ क्रूरता के झूठे मामले दर्ज करती है। ऐसे मामलों में वह यह दावा कर सकती है कि उसे कभी घर के बाहर जाने की अनुमति नहीं थी, रोज़ाना उसे पीटा जाता था, उसे अन्य लोगों से मिलने की अनुमति नहीं थी, खर्च करनें की इजाजत नहीं थी और उसे घर में घरेलू कार्य के लिए एक नौकर की तरह काम लिया जाता था।

6) विविध

इस पुस्तिका के अन्त में दिये गये परिशिष्ट अनुभाग में आप जानेंगे कुछ उन कानूनों के बारें में जिनका दुरूपयोग स्त्री और उसके परिवार वाले आपको अत्याधिक परेशान करने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। ऐसे कई मामलों का पता चला है जिसमें यहाँ तक कि पति की 92 वर्षीय दादी और छ: वर्षीय भतीजे को भी झूठे मामले में गिरफ्तार किया गया। आपको कोर्ट-कचहरी के चक्कर काटने पड़ेंगे क्योंकि इन लिंग पक्षपातपूर्ण कानूनों के अनुसार देश की सरकार लड़की के पक्ष से लड़ती है और ऐसे मामले दसियों साल तक घसीटे जाते हैं। यह सभी के लिए एक व्यवसाय का ज़रिया है जैसे पुलिस, न्यायिक प्रणाली, लड़की और उसके परिवार। यह सभी लोग आपके द्वारा काफी पैसा बनाते हैं। यदि आपके ससुराल वालों की सोच नीच है और ईश्वर न करे कि आपकी पत्नी किसी दुर्घटना का शिकार हो जाती है या उसकी मृत्यु किसी आप्रकृतिक कारण से विवाह के सात सालों के भीतर होती है तो यह संभव है कि वह लोग इसे दहेज हत्या के रूप में करार दें। ऐसा होने पर आपको और आपके परिवार वालों को बहुत ही मुश्किल से खुदको निर्दोष साबित करना होगा। ऐसे मामलों में ज़मानत मिलना भी आसान नहीं है और अपने आपको निर्दोष साबित करने की जिम्मेदारी भी आप पर आती है। लड़की या उसके परिवार वालों को आपके जीवन को एक नर्क बनाने के लिए अपने झूठे आरोपों के प्रति कोई सबूत देने की आवयशक्ता नहीं है।

7) अक्सर पूँछे जाने वाले सवाल

यदि मै आत्म रक्षा में अपनी पत्नी पर चिल्लाता हूँ तो क्या वह मुझ पर मामला दर्ज कर सकती है?

जी हाँ, वह आप पर मामला दर्ज कर सकती है यह दावा करते हुए कि आपने उस पर घरेलू उत्पीड़न और अत्याचार किया। वह इसके साथ 498ए अनुभाग को भी जोड़ सकती है। याद रखें उस पर कभी न चिल्लायें, अपनी आत्म रक्षा के लिए भी नहीं।

यदि मेंरी पत्नी अकारण मुझे थप्पड़ मारती है या लात मारती है तो क्या मै उस पर घरेलू हिंसा अधिनियम के अंतर्गत मामला दर्ज कर सकता हूँ?

इस बुरी खबर को आप तक पहुँचाने के लिए हमारी क्षमा याचना स्वीकार करें। आप एक पुरुष हैं। यह अधिनियम सिर्फ स्त्रियों के लिए बनाया गया हैं, और आपको कोई अधिकार नहीं हैं। आप तो उस पर पलट कर चिल्ला भी नहीं सकते मामला दर्ज करना तो बहुत दूर की बात है।

क्या विवाह से पूर्व किया गया (Prenuptial) समझौता मुझे भविष्य की समस्याओं से बचा सकता है?

विवाह से पूर्व किये समझौते भारत में मान्य नहीं है, अत: किसी काम नहीं आयेंगे।

मुझे कितनी वित्तीय हानि होगी यदि मेरे व मेरी पत्नी के बीच रिश्ता टूट जाए?

यह जानने का कोई निश्चित तरीका नहीं है। मौजूदा हालात को देखते हुए यह संभव है कि आपको कम से कम अपनी आधी संपत्तियों से हाथ धोना पड़ेगा चाहे आपकी विवाह अवधि कितनी भी हो।

क्या ऐसा कोई तरीका नहीं है जिससे मैं अपने आपको और अपने माता-पिता को भविष्य में होने वाली इस तरह की परेशानियों से बचा सकूँ?

हालॉकि अपने आप को सुरक्षित रखने का कोई भी 100% रास्ता नहीं है, लेकिन आप इस पुस्तिका से ज्ञान लेकर और अपने स्थानीय सहायता समूह की बैठक में जल्द से जल्द विस्तृत सुझाव पाकर आप अपने आप को सुरक्षित करने का प्रयास कर सकते हैं।

मेरी बहन ऐसे पुरूष से शादी करना चाहती है जिसकी खुद की बहन ने 498ए के तहत मामला दायर किया था। क्या उसे शादी करनी चाहिए?

कृपया अपनी बहन को इस परिवार से बचाएं। यह संभव है कि यह पुरूष अपने आप में ठीक हों परन्तु स्त्रियाँ जो 498ए मामला दर्ज करती हैं वे अक्सर इन्तकामी और बुरी होती हैं। अपनी बहन की शादी उस परिवार में कराकर अपनी बहन की जिन्दगी को खतरे में न डालें। एक 498ए स्त्री अत्यधिक असंतोषी महिला होती है, अपनी बहन को ऐसी हर स्त्री से दूर रखें। इसके अलावा यह भी संभव है कि उसके भाई ने ही खुद

अपनी बहन को झूठा मामला दर्ज करने के लिए उक्साया हो। ऐसा व्यक्ति आपकी बहन के लिए भी भविष्य में परेशानी खड़ी कर सकता है। हम आपको दृढ़ रूप से 498ए परिवारों से दूर रहने की सलाह देते हैं।

जरूरत पड़ने पर क्या आप मुझे किसी अच्छे वकील का सुझाव दे सकते हैं?

हम किसी वकील या कानूनी संस्थाओं का विज्ञापन नहीं करते। एक वकील किसी के लिए अच्छा और किसी के लिए बुरा साबित हो सकता है। लेकिन हम यह सुझाव देते हैं कि आप किसी अपराधिक वकील से सलाह लें न कि किसी पारिवारिक वकील से।

क्या झूठे मामले दर्ज करने की सजा स्त्री को नहीं मिलती?

नही, ऐसी स्त्रियों के लिए कोई सजा मुक़र्रर नहीं है चाहे उनका मामला झूठा ही सिद्व क्यों न हो जाये।

मेरे विवाह को सात साल हो चुके हैं, और मैने सुना है कि दहेज की शिकायत विवाह के सात सालों के भीतर ही हो सकती है। क्या वह सात साल के बाद भी मुझ पर झूठे मामला दर्ज कर सकती है?

जी हाँ बिल्कुल। सात साल का प्रतिबन्ध 498ए पर लागू नहीं होता।

लड़की की पृष्ट भूमि जानने के लिए क्या एक जासूस को काम पर लगाना ठीक होगा?

परेशानियॉ उठने से पहले पैसे खर्च करना हमेशा बेहतर होता है। हम किसी जासूस का विज्ञापन नहीं करते लेकिन आप चाहे तो किसी ऐसे जासूस का इस्तेमाल कर सकते है जिसने पहले कभी हमारे जैसे किसी व्यक्ति के लिए सफलता पूर्वक कार्य किया हो।

यदि भविष्य में मेरी पत्नी परेशान करती है तो उसे ही ज़्यादा भुगतना होगा, क्या ऐसा नहीं है?

परेशानियों और पीड़ा को मापना आसान नहीं है। लेकिन इस बात को आसानी से समझने के लिए आत्महत्याओं की दर की ओर गौर करें। शादी शुदा स्त्रियों की बनिस्पत शादी शुदा पुरुष दो गुना ज़्यादा आत्महत्याएं करते हैं। कृपया इस बारे में सोंचे।

खैर, मेरी मॉ और बहन भी महिलायें हैं, उनके भी वही अधिकार होंगे जैसे मेरी पत्नी के। क्या वह अपने अधिकार और शक्तियॉ जरूरत पड़ने पर मेरी पत्नी के खिलाफ इस्तेमाल कर सकती हैं?

हॉ और नहीं। दुर्भाग्य से भारतीय कानून और मंत्रालय पत्नियों के समर्थन के लिए बने हैं, अन्य स्त्रियों के समर्थन के लिए नहीं। आपकी मॉ और बहन आपके परिवार को बचाने के लिए आपका समर्थन कर सकती हैं किन्तु आपकी पत्नी के पास हमेशा अधिक कानूनी और राजनैतिक शक्ति होगी। भारतीय कानूनी प्रणाली एक महिला (पत्नी) के हितों की रक्षा के लिए काम करता हैं चाहे बाकि और स्त्रियों (मॉ, बहन, अन्य ससुरालवाले) के मानव अधिकारों को नकारा जाये। यह बड़े दुख की बात है किन्तु भारतीय लिंग पक्षपातपूर्ण कानून इसी प्रकार काम करते हैं।

मुझे यकीन नहीं आरहा है कि आप सच कह रहें हैं या सिर्फ समाज में डर फैलाने की कोशिश कर रहे हैं?

हम एक सामाजिक कार्यकर्ता समूह हैं। हम अपना समय और प्रयास आप जैसे और अन्य फंसे हुए लोगों की मदद में लगाते हैं। हमारा सुझाव है कि आप इन्टरनेट पर जायें और 498ए, कानूनी आतंकवाद (Legal Terrorism) और लिंग पक्षपातपूर्ण (Gender biased) कानून के दुरूप्योग को खोजने का प्रयास करें। फिर आप स्वयं ही फैसला कर पायेगे कि आपको अपने आगामी वैवाहिक जीवन की योजना कैसे बनानी है।

यदि मेरे किसी मित्र का विवाह 498ए परिवार में हुआ है तो मै क्या कर सकता हूँ?

यदि आप एक अच्छे मित्र हैं तो आप दो काम कर सकते हैं। आप उसे सलाह दे सकते हैं कि वह हमें तुरन्त संपर्क करे और दूसरा उसके लिए प्रार्थना कर सकते हैं। तुलना के लिए माफी चाहते हैं लेकिन एक 498ए स्त्री एक पागल जानवर की तरह होती है, अगर उसने एक बार काट लिया तो जीवित रहने की संभावना नही के बराबर है जबतक कि आप तुरन्त उसका ईलाज न कराये। इस सवाल का जवाब एक चिकित्सक की तरफ से आया है जिसने स्वयं एक 498ए स्त्री का अनुभव किया है।

मै एक लड़की से प्रेम करता हूँ और उससे विवाह करना चाहता हूँ यह जानते हुए कि उसकी बहन ने अपने पहले पति पर 498ए दर्ज किया। मुझे क्या करना चाहिए?

प्रेम एक खूबसूरत अहसास है और हम इसका सम्मान और इसकी सराहना करते हैं। अंत में यह आपकी इच्छा पर निर्भर करता है कि आप जोखिम लेना चाहते हैं या नही। हम यह सुझाव देना चाहेंगे कि आप अपने आपको और अपने परिवार को सुरक्षित रखने के लिए व अपने बुजुर्ग माता-पिता के शांति पूर्ण सेवा- निवृत्ति के लिए इस दस्तावेज़ में उल्लेख की गयी बातों को ध्यान में रखें। यद्यपि हम दृढ़ता से अनुरोध करते हैं कि 498ए परिवार में कभी विवाह न करें।

मान लीजिए कि मै आपकी इस चेतावनी को अनदेखा कर विवाह कर लेता हूँ। क्या भविष्य में आप मेरी मदद करने से इनकार कर देंगे यदि मैं आपसे मदद माँगने आऊँ?

जैसा कि हमने कहा हम एक सामाजिक कार्यकर्ता समूह हैं। हम मुफ्त सहयोग प्रदान करते हैं, हर जाति समुदाय व धर्म के लोगों को। हम आपको सहायता अवश्य प्रदान करेंगे किन्तु आपके लिए अन्य लोगों से भी ज़्यादा दुखी महसूस करेंगे। लगभग हर व्यक्ति जो हमारे पास आता है अपनी सादगी में भूल करने के पश्चात आता है। आप चाहे तो उनकी गलतियों से सीख ले सकते हैं या खुद गल्ती करने के पश्चात सीख सकते हैं। चुनाव आपका है।

यदि मै शादी ही न करूँ और बिना विवाह किये किसी स्त्री के साथ (लिव इन) रहूँ तो क्या मै सुरक्षित हूँ?

यदि चीजें उसके हिसाब से नही चलीं तो वह स्त्री फिर भी आप पर दहेज कानून (498ए) के अलावा, घरेलू हिंसा, भरन पोषण और बलात्कार का आरोप लगा सकती है। इसलिए सावधान रहें।

मै एक हिन्दू नहीं हूँ। यह सभी लिंग पक्षपातपूर्ण कानून हिन्दूओं के खिलाफ है, क्या यह सच है?

जैसे कि आतंकवाद किसी धर्म या जाति को नहीं देखता वैसे ही 498ए भी किसी धर्म के आधार पर प्रतिबंधित नहीं है। हमारे कार्यकर्ता और पीड़ित व्यक्ति सभी धर्मो से हैं।

मै एक अमीर आदमी हूँ। मुझे किसी से पैसा या दहेज नहीं चाहिए। मुझे विश्वास है कि मेरी पत्नी यदि मुझ पर झूठे इल्ज़ाम लगाती है तो पुलिस और कानून उसके इस जाल को देख पायेंगे। क्या ऐसा नहीं है?

आप ठीक कह रहे हैं, यह संभव है कि वह इस जाल को देख पायेंगे। अधिकांश पुलिस अधिकारियों और न्यायाधीशों को कानून के हो रहे इन दुरुपयोगों के बारे में जानकारी है। लेकिन अधिकारी आपसे पैसे निकलवाना चाहते हैं और न्यायाधीश नारी वादियों के खिलाफ जाने से कतराते हैं। जबतक कि आप निर्दोष साबित नहीं हो जाते तबतक आपको अदालत में घसीटा जायेगा और शायद जेल भी जाना पड़ सकता है।

मै एक गरीब आदमी हूँ। जिस लड़की से मै विवाह करने जा रहा हूँ, वह अमीर है। यदि हमारा रिश्ता नहीं निभता तो क्या वह रखरखाव व गुजारे भत्ते की माँग कर सकती है?

जी हाँ कर सकती है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि उसकी वित्तीय स्थिति आपकी वित्तीय स्थिति की तुलना में बेहतर है। याद रखें यह एक तरफा यातायात है। भारतीय कानून व्यवस्था में पैसा हमेशा पुरूष की तरफ से स्त्री की तरफ ही जाता है।

मैने कानून पढ़ा है। कानून साफ साफ कहता है कि दहेज लेना और देना दोनों जुर्म हैं। तो यदि मेरी पत्नी यह दावा करती है कि मैने दहेज लिया है, तो वह भी एक जुर्म कर रही है। क्या वह लोग सामान रूप से दोषी नहीं हैं और दण्डित नहीं किये जायेंगे?

हाँ और नहीं। कानूनन वह दोषी हैं लेकिन वह दण्डित नहीं किये जायेंगे। यदि आप पुलिस में शिकायत दर्ज भी करवाते हैं कि आपके ससुराल वाले आपको जबरदस्ती दहेज दे रहे हैं तब भी उन्हें दण्ड नही दिया जायेगा। दुर्भाग्यवश हमारा कानून ऐसा ही है अत: पुरुष पीड़ित हैं। हमारी लड़ाई इसी अन्याय के खिलाफ है।

> **ध्यान दें**: यदि बताये गये इन सवालों के बारे में किसी प्रकार का संदेह हो तो आप अपने स्थानीय पुलिस स्टेशन अथवा परिवार अदालत से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा एक सरल और छोटी इन्टरनेट (Google search) खोज भी आपके लिए पर्याप्त हो सकती है। इन सबसे भी ज़्यादा अच्छा होगा यदि आप हमारी साप्ताहिक बैठक में उन पीड़ित लोगों से मिले जिनकी हम मदद करते हैं। सावधानी हमेशा इलाज से बेहतर ही होती है।

8) पीड़ित पूरूषों के लिए हेल्प लाईन और वेबसाईट

आप नीचे दी गयी इन वेबसाईट्स से अपने शहर के लोगों से संपर्क करने में संकोच न करें। आप जितनी देर करेंगे उतना इस दलदल में गहरे धसेंगे और उतना ही मुश्किल होगा आपके और आपके परिवार को इस आघात से बचाने के लिए।

यह सभी हेल्प लाईन पीड़ित पुरुषों द्वारा संचालित हैं और सलाह देने के लिए निशुल्क हैं। यदि आपसे कोई भी धन की मॉग करता है तो इसे कृपया हमारे ध्यान में अवश्य लायें।

http://www.498a.org

http://www.saveindianfamily.in

http://sahodar.org/

http://mynation.net/

http://www.savefamily.in

9) मै क्या कर सकता हूँ ?

आपकी वर्तमान स्थिति पर निर्भर, आप बहुत कुछ कर सकते हैं जैसे कि:

- महिला की शिकायत करने पर हर पुरूष को नाकारात्मक तरीके से देखना बंद करें।
- सामाजिक प्रणालियों को प्रश्न करें जो पुरूषों को मर्दानगी कमाने के लिए प्रेरित करती हैं या यह मानती हैं कि पीड़ा में आवाज उठाना पुरूषत्व के खिलाफ है।
- हर पुरूष विरोधी व्यवहार, कानून और मीडिया सामग्री को चुनौती दें।
- अपने क्षेत्र में इस तरह की घटनाओं के बारे में जानकारी रखें और ऐसे परिवारों को सहायता और समर्थन प्रदान करें जो इन पक्षपातपूर्ण कानूनों से जूझ रहे हैं।
- यह अन्धविश्वास बन्द करें कि लड़कियॉ और महिलायें हमेशा सही हैं और पुरूष हमेशा गलत।
- स्थानीय पुरूष संगठन में शामिल हों और इन लिंग पक्षपात पूर्ण कानूनों के खिलाफ हमारे साथ लड़ें,खासकर अगर आप भी पीड़ित रहे हैं। यदि ऐसा कोई स्थानीय संगठन आपके घर के पास नही है, तो आप शुरू कर सकते हैं और बाकी लोग खुद ब खुद शामिल हो जायेंगे।

10) परिशिष्ट

ऐसे कानूनों को जाने जिन्हें स्त्रियाँ इस्तेमाल करके अपने पति और उसके परिवार के सदस्यों का शोषण करती हैं। इन सब कानूनों का एक ही सार है, जिसे जानने के बाद शायद आप अपना लिंग परिवर्तन करवाना अधिक पसंद करेंगे।

10.1) आई पी सी 498ए

आप यह जानकार कर हैरान हो जायेंगे कि किस तरह भारत सरकार भारतीय दंड संहिता (IPC) 498ए के तहत एक पत्नी को कानूनी गोला-बारूद प्रदान करती है। कल्पना कीजिए कि अगर आप और आपकी पत्नी के बीच किसी छोटी सी बात को लेकर असहमति है (आपकी पत्नी की मर्ज़ी की वजह से या उसके परिवार के किसी सदस्य के उकसाने पर) और वह आपको सबक सिखाने का फैसला कर लेती है। वह पुलिस स्टेशन में एक छोटा सा शिकायत पत्र देती है कि आप एक क्रूर आदमी हैं और उसको दहेज़ के लिए परेशान करते हैं। अपनी रचनात्मक कला से क्रूरता की काल्पनिक घटनाओं को भी अपनी शिकायत में जोड़ देती है। फिर अचानक से आप अपने को जेल के अन्दर (अपने माता पिता, भाई बहन, उनकी पत्नियों और यहां तक कि दूर के रिश्तेदारो के साथ) पायेंगे। यही नहीं आपकी **जेल की सजा तीन साल के लिए** बढाई भी जा सकती है। इन सब दुःस्वप्न से बाहर आने के लिए हो सकता है की आपको लाखों रुपये खर्च करने पड़े और अपनी सारी सम्पति भी बेचनी पड़े। एक बार आप इस मकड़जाल में फंस गए, फिर उसके बाद आपका जीवन आपकी पत्नी और ससुराल वालो की दया पर निर्भर करता है। अपनी इच्छा के विरूद्ध आपको उन सभी लोगो की अनुचित मांगो के सामने झुकना पड़ेगा। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय दंड संहिता 498ए को "कानूनी आतंकवाद" करार दिया है, लेकिन इस कानून का दुरुपयोग होना जारी है।

498ए वैवाहिक विवाद में दुनिया भर में सबसे खतरनाक आपराधिक प्रावधान है। जब तक आप एक मेमने की तरह अपनी पत्नी के हर आदेश का पालन करते रहेंगे,तब तक सब कुछ ठीक-ठाक चलता रहेगा। परन्तु अगर कभी भी आपने अपनी पत्नी की आज्ञा का पालन करने से मना किया (भले ही कुछ इस तरह की मांग कि अपने माता पिता को त्याग करके पत्नी के माँ बाप को साथ रखे) तो आपको/आपके माता-पिता/भाई/बहन/रिश्तेदारों/मित्रों को आईपीसी 498ए के तहत मामला दर्ज़ करके गिरफ्तार किया जा सकता है। यह गैर-जमानती है और आपकी पत्नी ने आपके और आपके परिवार के ऊपर एक बार 498ए का थप्पड़ लगा दिया तो फिर यह वापस भी नहीं लिया जा सकता। भारत में इस तरह के सैकड़ो मामलो के भुक्तभोगी और उनकी डरावनी कहानियाँ प्रकाश में आयी है। अगर आप इंटरनेट पर साधारण सा गूगल सर्च करके खोज करे तो आपको एक भयावह और सदमाकारी सच का पता चलेगा। अधिक जानिकारी के लिए कृपया इस वेबसाइट को पढ़े : www.498a.org

10.2) दहेज प्रतिषेद अधिनियम

आप एक शिक्षित,परिश्रमी और आधुनिक आदमी हो, जो पुराने दकियानूसी दहेज़ प्रथा में विश्वास नहीं रखता। ऊपर वाला आपका भला करे, क्यूंकि आप एक नेक इंसान है।कल्पना किजिये की आपके विवाह के समय आपके ससुराल वालो ने अपनी मर्ज़ी से शगुन स्वरूप उपहार में घड़ी, फ्लैट, कार, इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़े, फर्नीचर इत्यादी देने का निर्यण किया।यह सारा कुछ उन्होंने अपना प्यार जताने और दिखाने के लिए किया जिसमे आपने कोई बाधा नहीं की। फिर एक दिन आपको अचानक से क़ानूनी नोटिस मिलता है कि आपकी पत्नी ने शिकायत दर्ज कराई है कि आप और आपके माता-पिता एक दहेज़ लोभी दानव है जिन्होंने आपकी पत्नी और उसके परिवार वालों को दहेज़ में वह सारी चीजे लाने को मजबूर किया। अतिरिक्त प्रभाव के लिए, आपकी पत्नी ने कुछ करोड़ रुपयों की काल्पनिक चीजों को भी जोड़ दिया जो कथित तौर पर आपको दहेज़ के रूप में दी गयी है।कानून आँख बंद करके उन सभी बातों पर विश्वास कर लेगा और आपको तुरंत उन चीज़ों को वापस करने को बोला जायेगा। यद्दपि आप निर्दोष है लेकिन आपको अपनी निर्दोषता साबित करने में कचहरी में कम से कम सात साल लग जायेंगे। जो कुछ भी आपके ससुराल वालो ने दिया होगा (यहां तक कि जबरन दी गयी चीजे), उसको गलत तरीके से आपके द्वारा माँगा गया दहेज़ कहा जायेगा।

10.3) आई पी सी 406

हर दिन कि तरह एक दिन आप काम करके वापस घर आते है और महसूस करते है की आपकी पत्नी अपने जेवरात और घर की अन्य महँगी वस्तुएं ले कर घर छोड़ कर जा चुकी है (वह वस्तुएं भी जो आपने और आपके माता -पिता ने उसको उपहार स्वरुप दी थी)। फिर आपको पता चलता है की आपके ऊपर IPC सेक्शन 406 के तहत विश्वास का आपराधिक उल्लंघन और स्त्रीधन में हेराफेरी का मामला दर्ज हुआ है(शादी के समय आपकी पत्नी को दी गयी कोई भी चीज और हर एक चीज स्त्रीधन के अंतर्गत आती है)। उसके कुछ दिन बाद आपकी पत्नी पुलिस के साथ आपके घर आती है,कई सारी और चीज़ों पर अपना दावा करने के लिए। उस समय वह जिस किसी भी चीज के ऊपर अपनी उंगली रखेगी, पुलिस विश्वास करेगी की वे उसकी ही चीज़ें है। एक कुली की भाँती आपके सामने वह सारी चीज़ें आपके घर से ले कर चली जायेगी, इस कानूनी डकैती को रोकने के लिए आप कुछ कर भी नहीं सकते है।

अगर आपको धारा 406 के अंतर्गत गिरफ्तार किया जाता है तो आपको जमानत भी नहीं मिलेगी, क्यूंकि यह एक गैर-जमानती अपराध है।इस कानून के दुरुपयोग के परिणाम-स्वरुप गिरफ्तार कियेगए अधिकतर पतियों को औसतन कम से कम एक महिना जेल में गुजारना पड़ता है,जबकि इसमें उनकी कोई गलती नहीं होती। प्रायः एक महिला के लिए आपको और आपके परिवार को अपराधी घोषित करवाना बहुत ही आसान काम होता है, जबकि महिला खुद एक आपराधिक-चोर हो सकती है।

10.3a) स्त्री धन

स्त्रीधन का चलन हमारे समाज में सदियों से चला आ रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य औरत को विपरीत परिस्थितियों जैसे तलाक या विधवा हो जाने की स्थिति में एक प्रकार की आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना है। हिन्दू धर्म के अनुसार इसे कई प्रकार से देखा जा सकता है, परन्तु प्रधान तौर पर यह वह धन है जो किसी स्त्री के धन

या संपत्ति का वह हिस्सा है जिसपर उसका पूर्ण या आंशिक रूप से अधिकार है। जिसे बेचना, उपहार देना या गिरवी रखना उसका खुद का निर्णय होगा। आमतौर पर यह माँ से बेटी को दिए जाने वाला धन है। औरत पर किसी प्रकार की देनदारी है तो वह इस स्त्रीधन से पूरी की जा सकती है।

शादी के समय दिए गए गहने और कपड़े -लत्ते के अलावा, शादी के पहले/शादी के दौरान या शादी के बाद भी महिला के परिवार/महिला के पति के परिवार/मित्रो और यहाँ तक की अजनबियों के द्वारा महिला को उपहार के रूप में दी गयी सारी चीजे स्त्रीधन के रूप में आती है। महिला को अपने परिवार या अपने पति के परिवार से विरासत में मिली संपत्ति, उसको समझौते के अंतर्गत मिली संपत्ति, रखरखाव के एवज में मिली संपत्ति, बंटवारे के परिणाम स्वरुप मिली संपत्ति या स्त्रीधन का उपयोग कर संपत्ति आय- यह सभी कुछ स्त्रीधन के अंतर्गत आते है। बस महिला और उसके रिश्तेदारों द्वारा पति को दिया गए उपहार स्त्रीधन के अंतर्गत नहीं आते। अगर महिला कामकाजी है तो हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम-1956 की धारा 14 के अंतर्गत,तरुणता(विवाह से पूर्व) और विधवापन के दौरान महिला के आय से अर्जित की गयी सम्पति उसके स्त्रीधन के अंतर्गत आती है।

10.4) डी वी (घरेलू हिंसा) अधिनियम

अगर आपने या आपके परिवार के किसी सदस्य ने कोई टिप्पडी की जो भले ही मामूली हो, परन्तु आपकी पत्नी को नागवार गुजरी हो तो वह आपके और आपके परिवार के खिलाफ घरेलु हिंसा का मुक़दमा दायर कर सकती है। भारतीय कानून व्यवस्था के अनुसार, पत्नी को घरेलु हिंसा का मुक़दमा दायर करने के लिए सबूत की आवयशक्ता नहीं है। उसके बाद वह घरेलु हिंसा नियम का दुरुपयोग कर आपके खिलाफ संरक्षण और रहने का आदेश ले लेगी, जिसके परिणाम स्वरुप आपको और आपके माता-पिता को घर से धक्के मार कर निकाल दिया जायेगा। इसके बाद वह आपके घर में क़ानूनी रूप से रहेगी (संभवतः अपने पुरुष मित्र के साथ)। इसके अलावा वह आपको एक अच्छी खासी राशि का मासिक गुजारा भत्ता देने के लिए मजबूर कर सकती है, ताकि वह शानदार तरीके से रह सके, भले ही आप बाहर गलियों-सड़को पर दांत रगड़ रहें हो।

अपनी सुविधा के अनुसार आपको अपराधी साबित करने के लिए वह पुलिस और न्यायाधीश के सामने हिंसा की कोई भी परिभाषा गढ़ सकती है। जैसे कि घरेलु हिंसा के अंतर्गत नाम पुकारना भी दंडनीय है। आपके खिलाफ उसकी बनाई हुई सारी हास्यास्पद और मनगढ़ंत कहानियो को सच मान लिया जाएगा (कि कैसे आप उसको चोट पहुंचाते,मारते, डराते और परेशान करते है)। उसके बाद आपको अपनी निर्दोषता साबित करनी है। ये सारी चीजे वो आपके माता -पिता,परिवार के सदस्य,और मित्रो के खिलाफ भी कर सकती है। ये घरेलु हिंसा नियम सिर्फ पत्नी के लिए है, आदमी के सरक्षण के लिए नहीं। अगर आपकी पत्नी या आपकी सास आपको थप्पड़ मारती है,आप कुछ नहीं कर सकते।आप कल्पना कर सकते है कि इस तरह की पत्नी आपको, आपके ही घर में एक कुत्ते की तरह जीवन जीने के लिए मजबूर कर सकती है।दुर्भाग्य पूर्ण यह है कि अधिकतर भारतीय विवाहों कि वास्तविक स्थिति यही है। आप चाहे तो इन्टरनेट पर प्रचलित घरेलु हिंसा नियम के बारे में सर्च कर ले और परिणाम आपको सदमे में लाने के लिए काफी है।

10.5) पत्नी के भरण-पोषण हेतु-सी आर पी सी 125, एच एम ए 24, सेक्शन 22 DV

हाल के न्यायालय के एक निर्णय के अनुसार, इनमे से सभी धाराओं के अंतर्गत आपकी पत्नी आपसे रख-रखाव का गुजारा -भत्ता मांग सकती है। आपको अपनी पत्नी का रख-रखाव ठीक उसी उच्च जीवन स्तर के हिसाब से करना होगा जिसकी वह विवाह से पूर्व या विवाह के पच्चात आदी थी।आपको अपने वेतन में शीघ्र ही बढ़ोत्तरी मिली है और अगर आपकी पत्नी लालची है, तो अलगाव होने के वर्षो बाद भी वह आपसे अपने रख-रखाव के गुजारे-भत्ते में बढ़ोत्तरी की मांग कर सकती है। गुजारा-भत्ते का भुगतान करने के लिए लोगों को अपने गुर्दे तक बेचने को कहा गया और न देने की स्थिति में जेल भेजने की धमकी।

10.6) अलिमनी

अलिमनी की बात आने पर पत्नी की इच्छाएं असीमित हो जाती है। न्यायालय में पत्नी हमेशा अपने को “अबला नारी” के रूप में पेश करती है और औसतन हर किसी की सहानभूति स्त्री के साथ होती है। अमूमन उसको वह सब कुछ मिल जाता है जिसकि वह मांग करती है। उन पतियों से जो महानगरीय शहरों में रहते है, आजकल उनसे अलिमनी की मांग कुछ करोड़ रुपयों से शुरू होती है, और जो पति छोटे शहरों में रहते है, उनसे मांग मोटे तौर पर एक करोड़ से शुरू होती है। उसके बाद पति की योग्यता पर निर्भर करता है की पत्नी और ससुराल वालों से बातचीत करके कितनी रकम कम करा सकते है। अब यह आप पर निर्भर करता है कि आप अपने को किस श्रेणी में रखते है और भविष्य के लिए आपको कितनी राशि एकत्रित करके रखनी पड़ सकती है। अनिवासी भारतीय तो अलिमनी और रख-रखाव के नाम पर जबरन वसूली के लिए सबसे आसान मोहरे होते है।

10.7) व्यभिचार

एक शादीशुदा पति या पत्नी द्वारा अपने वैध पत्नी/पति के अलावा किसी दुसरे के साथ स्वैच्छिक संभोग करना व्यभिचार कहलाता है। अगर आपको पता चलता है की आपकी पत्नी व्यभिचारी है,आप सिर्फ उसके आधार पर तलाक के लिए अर्जी नहीं दे सकते। उदाहरण के तौर पर यदि आपको यह पता चलता है कि आपकी पत्नी ने कल की रात किसी दूसरे आदमी के साथ गुजारी है,तो भी न्यायालय यही कहेगा कि "आपकी पत्नी ने व्यभिचार तो किया है" लेकिन वह आपकी पत्नी है और उसका समर्थन और रख-रखाव आपकी जिम्मेदारी है, और आपको करनी ही पड़ेगी। ऐसा तब भी है जब आपने अपनी पत्नी को रंगे हाथो पकड़ा हो। क़ानूनी रुप से अधिकतम आप यही कर सकते है की अपनी पत्नी के प्रेमी के उपर केस दर्ज करा दें (भारतीय कानून व्यवस्था के अनुसार आपकी पत्नी किसी भी क़ानूनी कार्यवाही से मुक्त रहेगी- उसके ऊपर कोई क़ानूनी कार्यवाही नहीं हो सकती)। अंततः दो पुरुष क़ानूनी लड़ाई में उलझे रहेंगे जबकि आपकी पत्नी किसी तीसरे पुरुष के साथ अपना चक्कर चलाने के लिए पूर्णतः स्वतंत्र हैं।तथापि, आपको ऐसा कोई विशेषाधिकार नहीं है, क्यूंकि आप एक पुरुष हैं। ऊपर वाला ऐसा न करे कि कही आपसे विवाहेतर संबंध रखने की गलती अगर हो गयी, तो आपकी पत्नी आपका सारा जीवन नर्क के समान बना सकती है।वह क़ानूनी रूप से आपके खिलाफ तलाक की अर्जी दे सकती है, गुजारे-भत्ते और रख-रखाव की मांग कर सकती है। अगर आपके बच्चे है तो उनके ऊपर से आप अपना क़ानूनी हक़ खो देंगे,आपका वैवाहिक जीवन नष्ट हो जायेगा, समाज में आपकी प्रतिष्ठा ख़त्म हो जाएगी, आपकी अर्जित की हुई सम्पति और पैसा भी जायेगा-अलग से।

10.8) बच्चे की देखभाल और मुलाकात

अगर भगवान् ने आपको बच्चे दिए है तो फिर उनसे अलग होने के लिए तैयार रहिये। भारतीय पारिवारिक अदालते बच्चो के मामलो में बहुत पक्षपाती हैं। अगर बच्चा छोटा है तो आप यह तय मानिये की बच्चे को रखने की जिम्मेदारी माँ को ही दी जायेगी। आपकी भूमिका हर महीने चेक भुगतान करने की रह जायेगी। चित्रहार शो की तरह सप्ताह में एक बार आपको अपने बच्चे से मिलने दिया जायेगा। याद रखिये, इस दुनिया में अपना बच्चा होने से ज्यादा रोमांचित करने वाली और कोई बात नहीं हो सकती और इससे दुखद और कोई बात नहीं हो सकती कि उस बच्चे के पिता को उसके सामने एक अजनबी के रूप तब्दील कर दिया जाए।

10.9) आगामी लिंग पक्षपातपूर्ण कानून

10.9a) पत्नी को वेतन

यूनियन मिनिस्ट्री ऑफ़ वीमेन एंड चाइल्ड डेवलपमेंट (Union Ministry of Women and Child Development) एक नया क़ानून पास करवाने जा रही है जिसके अंतर्गत पति के द्वारा पत्नी को अपनी मासिक आय का एक हिस्सा देना **अनिवार्य** कर दिया जाएगा। इस क़ानून के अंतर्गत इस बात का कोई फर्क नहीं पड़ता की आपकी पत्नी स्वयं भी कमाऊ है या नहीं, आप स्वयं अपना गुज़ारा करने के लायक हैं या नहीं या फिर आप उसपर कितना खुला खर्च कर रहे हैं। एक पति होने के नाते आपको अपनी आय का एक हिस्सा नियमित रूप से उसे देना ही होगा परन्तु हाँ याद रहे इसके बदले आपको किसी प्रकार का सुझाव या प्रतिक्रिया देने का हक़ नहीं मिलता।

10.9b) आई आर बी एम् (शादी अप्रतिकार टूटना)

शादी के फेरे लेते समय याद रखें की यह फेरे केवल परंपरागत शादी ही पूर्ण नहीं करवाते बल्कि आपकी चल, अचल संपत्ति पर भी उस लड़की को 50 % देने की कसम को सुनिश्चित करते हैं (**कसम या मजबूरी यह तो आप ही जानें**)। हाँ इसमें आपकी जिम्मेदारियों के बंटवारे की बात नहीं की जा रही है वह सिर्फ आपकी ही रहेंगी। आपकी पत्नी को नया IrBM किसी भी समय तलाक फ़ाइल करने का हक़ देता है परन्तु आपको उसे रोकने का कोई हक़ नहीं है। यह तो सरकार द्वारा भारतीय नारियों को दिया गया तोहफा है, इसे आप नकारने की जुर्रत नहीं कर सकते।इस संपत्ति को बनाने के लिए भले ही आपने कितने साल पापड बेले हों, क्या फर्क पड़ता है। और हाँ आपकी शादी को चाहे एक दिन हुआ हो या सदियाँ कोई फर्क नहीं पड़ता जनाब, जो धर्मपत्नी चाहेगी ले जाएगी। कम से कम आपकी आधी संपत्ति तो उसकी है ही, चाहे वह विवाह से पूर्व ही क्यों न बनाई गयी हो।यही नहीं इसके बाद वह दूसरी पारी में फिर किसी से विवाह करके उसकी भी आधी संपत्ति ले सकती है। यदि वह एक धनाड्य महिला भी है, खुश मत होइए उस स्थिति में भी आप उससे एक पैसा भी नहीं ले सकते। यही विडम्बना है हमारे नारी प्रधान कानून की!

आइये जरा अपने कल्पना के घोड़े को दौडाइये और सोचिये वर्षों की मेहनत और बचत के बाद आप खुद के लिए एक आरामदायक घर का सपना पूर्ण कर पाने में सक्षम हुए हैं परन्तु अधिक प्रसन्न मत होइए अभी आपने 15 वर्षों तक मासिक किश्तें देनी हैं इस घर को अपना कहने के लिए। अब आपकी एक और कामना अपनी मनपसंद

लड़की से शादी करने की पूर्ण होती है जो घर न होने की स्थिति में नहीं हो पा रही थी। आप बहुत खुश हैं की अचानक जनाब उसके मन में न जाने आपकी किस बात का बुरा लग गया या शायद उसका विचार परिवर्तन हो गया और एक सप्ताह के बाद ही वह इस शादी से तंग आ गई और तलाक चाहने लगी। आपकी ड्रीम गर्ल तो गई ही साथ ही आपके ड्रीम हाउस का आधा हिस्सा भी ले गई पर हाँ बैंक की किश्तें चुकाना मत भूलियेगा वह सिर्फ और सिर्फ आपकी ही जिम्मेदारी है। यह कानून अभी इस समय पास नहीं हुआ है परन्तु पास होने की प्रतीक्षा में है। इसके बारे में और जानने के लिए क्लिक करें www.rollbackirbm.in

हमारी शुभकामनाये हैं कि आपका वैवाहिक जीवन सुरक्षित व खुशहाल रहे